

डॉ. नट हेम, नीतिवचन, व्याख्यान 14

नीतिवचन 22-24 और अमेनेमोप

© 2024 नॉट हेम और टेड हिल्डेब्रांट

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. नट हेम हैं। यह सत्र संख्या 14, नीतिवचन अध्याय 22 से 24 और अमेनेमोप है।

नीतिवचन की बाइबिल पुस्तक पर पाठ 14 में आपका स्वागत है।

पिछले व्याख्यान में, हम समग्र रूप से तथाकथित ज्ञान साहित्य के अंतर्राष्ट्रीय आयाम को देख रहे हैं और फिर मेसोपोटामिया और मिस्र के प्राचीन और पूर्वी ग्रंथों के लिए इसके अनुप्रयोग में ज्ञान साहित्य शब्द को ही समस्याग्रस्त कर दिया है, बल्कि यहां तक कि बाइबिल साहित्य के लिए ही। और मैं स्वयं अभी तक इन पुस्तकों को संदर्भित करने का एक नया तरीका नहीं आया हूं, लेकिन मैं शायद बोलने के कम परिभाषित तरीके की ओर झुकाव कर रहा हूं और अधिक कह रहा हूं कि यह एक विशिष्ट प्रकार का काव्य साहित्य है जो वास्तव में बौद्धिक, संज्ञानात्मक एकीकरण में रुचि रखता है मानव जीवन में धर्मशास्त्र का, कुछ ऐसा ही। अब इस विशेष व्याख्यान में, मैं विशेष रूप से एक बहुत ही प्रमुख, बहुत ही रोमांचक समानता पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं जिसका उल्लेख मैंने पहले ही मिस्र के पाठ, अमेनेमोप की शिक्षाओं और बाइबिल की पुस्तक के संग्रहों में से एक के बीच पिछले व्याख्यान में किया है। नीतिवचन, अर्थात् संग्रह संख्या तीन, जो अध्याय 22 से 17 से लेकर अध्याय 24 तक आधा है।

और यह समझने के लिए कि मुद्दा क्या है, मैं यह करूंगा कि हम इसमें शामिल हों, हमें यह समझने में मदद करें कि क्या दांव पर लगा है, क्या मैं ब्रूस वाल्टके की टिप्पणी से एक प्रारंभिक खंड पढ़ने जा रहा हूं, जिस पर मैं फिर टिप्पणी करूंगा और अगले कुछ मिनटों में प्रतिबिंबित करें और कुछ हद तक आलोचना भी करें। तो अब हम शुरू करें। वाल्टके लिखते हैं, 1186 से 1069 ईसा पूर्व के आसपास अमेनेमोप के मिस्र के निर्देश के संरचनात्मक साक्ष्य, आंतरिक साक्ष्य की पुष्टि करते हैं, जिसकी उन्होंने अन्यत्र चर्चा की है, कि नीतिवचन में बुद्धिमानों की 30 बातें, ज्ञान का एक विशिष्ट संकलन है बातें।

अधिकांश विद्वानों का मानना है कि बुद्धिमानों की 30 बातें अमेनेमोप का रचनात्मक उपयोग दर्शाती हैं। इस संग्रह का संरचनात्मक मॉडल, क्या मैं आपके लिए 30 कहावतें नहीं लिखता, जो अमेनेमोप के अंतिम अध्याय, खंड 27, पंक्ति 6, उद्धरण से ली गई हैं, इन 30 अध्यायों को देखें, अंत उद्धरण। मिस्र में, और हमें शायद इस संग्रह के बारे में भी यही मानना चाहिए, पवित्र संख्या 30 एक पूर्ण और सही शिक्षण का प्रतीक है, लेकिन अमेनेमोप पर इसकी भौतिक निर्भरता केवल पहले 11 कथनों तक फैली हुई है।

वाल्टके कहते हैं, यह 22:16 से 23:11 है। यह एक टाइपिंग त्रुटि है, यह निश्चित रूप से 22:17 से 23:11 होना चाहिए। 23:12 पर शैक्षिक कहावत द्वारा पेश की गई अगली कहावत जो इसे अलग

करती है और 30 कहावतों की अगली इकाई मेसोपोटामिया, अक्काडियन के अरामी लेखन के लिए अधिक सामान्य है।

मृत ज़मानत के खिलाफ़ कहावत अरामी और अक्काडियन ज्ञान परंपराओं में एक विषयगत सादृश्य पाती है, लेकिन मिस्र में नहीं। 2329 से 35 में नशे के खिलाफ़ दी गई कहावत मिस्र की परंपरा से आती है, लेकिन विशेष रूप से अमेनेमोप से नहीं। व्यापक चर्चा में वाल्टके के संक्षिप्त परिचय के बारे में इतना ही कि उन्होंने संग्रह 3 में सामग्री की समानता पर चर्चा की है, जिस पर अब हम अमेनेमोप की पुस्तक के साथ ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं।

अब इस व्याख्यान के शेष भाग में मैं दो बातें करने जा रहा हूँ। एक, मैं नीतिवचन के पाठ में परिचयात्मक छंदों को देखने जा रहा हूँ और जिस तरह से ब्रूस वाल्टके और कई अन्य लोगों ने इस शुरुआती खंड में एक विशेष शब्द का अनुवाद किया है, और मैं इस अनुवाद की आलोचना और मूल्यांकन करने जा रहा हूँ। और फिर दूसरी बात, मैं एक ओर नीतिवचन की पुस्तक और दूसरी ओर अमेनेमोप के बीच एक विशेष रूप से प्रमुख समानता की ओर मुड़ने जा रहा हूँ, और हम पंक्ति दर पंक्ति तुलना करने जा रहे हैं कि समानताएं और अंतर क्या हैं और फिर कुछ और आकर्षित करेंगे नीतिवचन की इस आकर्षक पुस्तक के अंतर्राष्ट्रीय आयाम के लिए उससे निष्कर्ष।

तो अब हम शुरू करें। मैं अब संग्रह 3 के नए संशोधित मानक संस्करण से शुरुआती छंद पढ़ने जा रहा हूँ, यानी अध्याय 22, छंद 17 से 20। बुद्धिमानों के शब्द, अपना कान झुकाओ और मेरे शब्द सुनो और अपना दिमाग मेरे शिक्षण पर लगाओ, क्योंकि यदि तू उन्हें अपने मन में रखे, और वे सब तेरे मुंह पर बोलें, तो यह मनभावन होगा, कि तेरा भरोसा यहीवा पर बना रहे।

मैंने उन्हें आज आपको, हाँ, आपको बता दिया है। और फिर आयत 20, क्या मैं ने तुम्हारे लिये चेतावनियों और ज्ञान की 30 बातें नहीं लिखीं, कि तुम्हें दिखाऊं कि क्या ठीक और सच्चा है, कि तुम अपने भेजनेवालों को सच्चा उत्तर दे सको। और फिर वास्तविक शिक्षण श्लोक 22 में प्रारंभिक चेतावनी के साथ शुरू होता है।

इसमें कहा गया है, गरीबों को इसलिए मत लूटो क्योंकि वे गरीब हैं, इत्यादि। अब यहाँ जो दिलचस्प है वह श्लोक 20 का अनुवाद है जहाँ नए संशोधित मानक संस्करण में 30 कहावतों का उल्लेख है। और जैसा कि हम वाल्टके से पहले ही सुन चुके हैं, उनका मानना है कि ये 30 कहावतें हैं, भले ही पूरे संग्रह के केवल पहले 11 छंद, जो अध्याय 24 में काफी लंबे हैं, में 30 कहावतें शामिल हैं, जैसे अमेनेमोप की शिक्षा इसमें 30 लघु लघु अध्याय हैं, जिनका अमेनेमोप के निर्देश के अंत में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है।

हालाँकि, यदि हम वास्तव में नीतिवचन की पुस्तक के हिब्रू मूल को देखें, और मैं बस, नहीं, अहा, हम यहाँ हैं। तो, यह बिब्लिया हेब्राइका स्टटगार्टेंसिया का मेरा प्रावरणी है। अब एक नया संस्करण है, बिब्लिया हेब्राइका किंटा, बीएचक्यू, लेकिन विवरण, निश्चित रूप से, पाठ्य विवरण समान हैं।

और जब हम अध्याय 22, श्लोक 20 को देखते हैं, तो हम पाते हैं कि श्लोक 20 में स्वर बिंदुओं का असामान्य विराम चिह्न है। और ऐसा इसलिए है क्योंकि हिब्रू शास्त्रियों ने हमारे लिए एक केटिव और एक क्यूरे संस्करण दोनों को रिकॉर्ड किया है कि कैसे इस विशेष शब्द का वाल्टके द्वारा अनुवाद किया गया था, और नहेमायाह मानक संस्करण, और अन्य बाइबिल अनुवादों की बढ़ती संख्या भी हमें देती है। श्लोक 20 में विशेष शब्द है, केटिव में, जो लिखा गया है, उसका उच्चारण संभवतः शिल्शोम किया जाना चाहिए।

मैं इसे विशेष रूप से पढ़ने जा रहा हूँ कि ब्रूस वाल्टके ने इसका वर्णन कैसे किया है। तो व्यंजन के लिखित रूप में, यह शब्द, अनुवादित 30, या तो शिल्शोम उच्चारित किया जाना चाहिए, और फिर इसका अर्थ पूर्व है, यानी, मैंने आपको प्राचीन कहावतें, या प्राचीन बातें लिखी हैं। या, क्यूरे पढ़ने के साथ, यह वहाँ लिखे गए वास्तविक व्यंजन अक्षरों की व्याख्या करने के वैकल्पिक तरीके के लिए एक सुझाव है।

शालिशिम उच्चारित किया जाना चाहिए, और फिर संभवतः महान कहावतों के रूप में अनुवादित किया जाना चाहिए। तो, हिब्रू मूल में, जिन लोगों ने वास्तव में इसे पढ़ा और इसकी प्रतिलिपि बनाई, उन्होंने देखा कि इस शब्द के अर्थ में एक निश्चित अस्पष्टता है। अक्षरों का एक क्रम है, शिन, एक लंगड़ा, और दूसरा शिन, शिलशोम, शालिशिम, शालोशिम, या जो भी, और हम इसका उच्चारण कैसे करेंगे? और ऐसा करने के दो तरीके सुझाए गए हैं, और उनके थोड़े अलग अर्थ हैं।

फिर हम इसी श्लोक के सेप्टुआजेंट अनुवाद और ग्रीक अनुवाद पर पहुँचते हैं। जिन लोगों ने इस यूनानी अनुवाद को तैयार किया, उन्होंने भी इस बात पर ध्यान दिया और वे निश्चित नहीं थे कि इस शब्द में कुछ असामान्य है। और उन्होंने इसे न तो शिल्शोम के रूप में पढ़ा, न ही शालिशिम के रूप में, बल्कि संभवतः शालोश के रूप में पढ़ा, जिसका अर्थ है तीन।

थ्रेइस शब्द है, जिसका मतलब सिर्फ तीन है। तो, ग्रीक पाठ कुछ ऐसा कहता है, क्या मैंने आपको तीन बातें नहीं लिखी हैं, शायद इस संग्रह के तीन भागों का जिक्र है। ऐसा प्रतीत होता है कि यूनानी अनुवादकों ने इसके साथ यही किया।

तो, वास्तव में, हमारे पास जो है, वह एक असामान्य शब्द है, यहाँ तक कि पाठ के प्राचीन प्रथम मूल पाठक भी निश्चित नहीं थे कि इसका वास्तव में क्या मतलब है। यह एक खास तरह की कहावत है, या कहावतों का समूह है, या जो कुछ भी है, जिससे हमें यहाँ परिचित कराया जा रहा है। लेकिन हम निश्चित रूप से निश्चित नहीं हैं कि उस विशेष शब्द का क्या अर्थ है।

दिलचस्प बात यह है कि मिस्र के पाठ में कम से कम 11 छंद हैं, जो कि, मेरा मतलब है, नीतिवचन की किताब के समान हैं, जिसमें 30 कहावतें हैं। तीन, 30. और अब वास्तव में क्या हुआ है, और ब्रूस वाल्टके यह सुझाव देने वाले पहले व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन उन्होंने इसमें उदाहरण के लिए, माइकल फॉक्स और कई अन्य बाइबिल टिप्पणीकारों को भी शामिल किया है, और अब तेजी से बाइबिल के अनुवाद भी शामिल हैं।, अब कह रहे हैं, ठीक है, निश्चित रूप से इस शब्द को थोड़ा संशोधित किया जाना चाहिए, थोड़ा बदला जाना चाहिए, और फिर इसे

एमेनेमोप से इसके आंशिक स्रोत पाठ के समानांतर, शेलोशिम की तरह कुछ पढ़ा जाना चाहिए, जिसका अर्थ 30 है।

और नए संशोधित मानक संस्करण में हमारे पास दिलचस्प बात यह है कि यह अनुवाद, 30 कहावतें, यहां उल्लिखित है, लेकिन नए संशोधित मानक संस्करण में यह कहने के लिए एक फुटनोट या सीमांत नोट भी नहीं है कि यह अनुवाद एक पर आधारित है मिस्र के पाठ के साथ तुलना, और यह एक प्रकार का रचनात्मक संशोधन है, बजाय इसके कि हिब्रू ने वास्तव में क्या कहा, जो कुछ भी वह कह रहा था, जिसके बारे में हम निश्चित नहीं हैं कि यह क्या है। दूसरी दिलचस्प बात, विशेष रूप से ब्रूस वाल्टके की टिप्पणी के संबंध में, वह वास्तव में संग्रह 3 की सामग्री को विभाजित करता है, न कि केवल पहले 11 छंदों को 23:11 तक और इसी तरह, दो, तीन, कभी-कभी चार के कई छोटे खंडों में विभाजित करता है। छंद, जिसे वह फिर एक कहना, दो कहना, तीन कहना और निश्चित रूप से गिनती 30 कहने तक कहता है। अब, मुझे कहना होगा कि मैं आश्चर्य नहीं हूँ।

इसमें बहुत अधिक अनुमान शामिल है। हम इन्हें कैसे विभाजित करें? विभिन्न छंदों को समूहों में विभाजित करने के कम से कम चार या पाँच अलग-अलग तरीके हो सकते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि वाल्टके, अपने दृढ़ विश्वास में कि वास्तव में हमारे पास यहां 30 कहावतें हैं, ऐसा करने के लिए मजबूर महसूस करते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह आसानी से किया जाता है, और निश्चित रूप से उतना आश्चर्य करने वाला नहीं है जितना वह इसे अपने में बताते हैं। टिप्पणी।

अब, मैंने इस पर कुछ समय इसलिए बिताया है ताकि हमें इस व्याख्यान में यह देखने में मदद मिल सके कि नीतिवचन की पुस्तक का अंतर्राष्ट्रीय आयाम हमारे बाइबिल के अनुवाद के तरीके पर भी कितना प्रभावशाली हो सकता है। अब, ईमानदारी से कहें तो, बहुत कुछ हासिल या बहुत कुछ खोया नहीं है, चाहे हम कहें कि ये प्राचीन कहावतें हैं या महान कहावतें हैं या 30 कहावतें हैं। वे वास्तव में अच्छी कहावतें हैं, चाहे आप इसका अनुवाद जिस भी तरीके से करें।

धार्मिक दृष्टि से कुछ भी दांव पर नहीं है। कोई खतरा नहीं है। इसमें कोई साजिश या ऐसा कुछ नहीं है, लेकिन मुझे आशा है कि आप उस आकर्षण की एक झलक पा सकते हैं जो इन ग्रंथों के साथ उनके व्यापक बौद्धिक परिवेश में जुड़ने की कोशिश से आता है।

अब मैं इसके एक और उदाहरण की ओर मुड़ना चाहता हूँ, यहां मुख्य रूप से नीतिवचन में काव्यात्मक कल्पना पर पुस्तक में मेरे अपने काम पर आधारित है, और मुझे आशा है कि मुझे एक अनुभाग मिल सकता है। हां। जिस चीज़ पर मैं विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ वह उन कथनों या छंदों में से एक है जो अमेनेमोप की पुस्तक से नीतिवचन में दोहराए गए हैं, और विशेष रूप से, यह अध्याय 22, श्लोक 28 है, और मैं उसे पढ़ने जा रहा हूँ।

यह कुछ ऐसा है जिसका उल्लेख मैंने पहले एक व्याख्यान में कई बार किया था जब हमने नीतिवचन की पुस्तक में समृद्धि शिक्षण पर ध्यान दिया था। श्लोक 28 में लिखा है, उस प्राचीन मील के पत्थर को मत हटाओ जिसे तुम्हारे पूर्वजों ने स्थापित किया था। अब, मैं इस कहावत को नीतिवचन की पुस्तक में विभिन्न पुनरावृत्तियों की अपनी चर्चा में शामिल करने का कारण यह है

कि, वास्तव में, फिर से, जैसा कि मैंने कुछ व्याख्यान पहले उल्लेख किया था, वास्तव में एक और संस्करण है, बिल्कुल भी दूर नहीं, में इसी कहावत का एक ही संग्रह तीन।

आइए मैं आपको वह पढ़कर सुनाता हूँ। यह अब अध्याय 23, श्लोक 10 में है। तो, छंद के उस खंड के अंत में वाल्टके ने हमें यह देखने में मदद की है कि अमेनेमोप के साथ काफी हद तक क्या समानता है।

तो, 23, श्लोक 10 में लिखा है, किसी प्राचीन मील के पत्थर को न हटाएं या अनाथों के खेतों पर अतिक्रमण न करें। और फिर श्लोक 11, मुक्तिदाता के लिए, यह भगवान है, मजबूत है। मुझे बस उन छंदों को फिर से दोहराने दो।

आपके पूर्वजों द्वारा स्थापित किए गए प्राचीन मील के पत्थर को न हटाएं, 22, 28, और किसी प्राचीन मील के पत्थर को न हटाएं या अनाथों के खेतों पर अतिक्रमण न करें, 23, 10। इसलिए, हमारे पास एक और एक ही चीज़ की असामान्य पुनरावृत्ति है निकटता, नीतिवचन की पुस्तक में केवल 12 छंदों का अंतर। और फिर हमारे पास यह तथ्य भी है, जैसा कि मैं एक क्षण में दिखाऊंगा, कि कुछ इसी तरह की बात कही जा रही है, और मैं इसे कुछ ही मिनटों में, अमेनेमोप की पुस्तक में उद्धृत करूंगा।

तो, हमारे यहां एक प्रकार की दोहरे प्रकार की पुनरावृत्ति, भिन्न प्रकार की पुनरावृत्ति चल रही है। अब मैं अपनी पुस्तक से इन दो छंदों पर एक खंड पढ़ने जा रहा हूँ, विशेष रूप से संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करते हुए। नीतिवचन 22, 28, और 23, 10 एक ही संग्रह से संबंधित हैं, संग्रह तीन, अर्थात् 22, 17 से 24, 22।

हमारे पास एक ही संग्रह के भीतर भिन्न-भिन्न पुनरावृत्तियाँ हैं, और मैंने अपनी पुस्तक में अन्यत्र भी देखा है। लेकिन फिर भी, यहां यह निष्कर्ष अपरिहार्य है कि नीतिवचन में भिन्न-भिन्न पुनरावृत्ति एक सचेत, सर्वव्यापी, संपादकीय रणनीति है और यह संयोग से नहीं होती है। मात्र 12 श्लोकों में ही सभी को ध्यान आ गया होगा कि वे फिर से वही बात कह रहे हैं, या ऐसा ही कुछ।

संग्रह में कुल मिलाकर केवल 70 छंद हैं, और दोनों प्रकारों के बीच केवल 10 छंद हैं। इसके अलावा, इसी संग्रह में अन्य दोहराव भी हैं जिनमें दोनों प्रकार एक-दूसरे के करीब हैं, अर्थात् नीतिवचन 23, 3 और नीतिवचन 23, 6, केवल तीन छंदों के अंतर पर। इस संग्रह को आकार देने वाले संपादक को पता था कि वह सामग्री को निकट सीमा में दोहरा रहा था।

स्पष्ट रूप से, दो छंदों के लिए प्रमुख प्रासंगिक संदर्भ उनके संबंधित भिन्न समकक्ष हैं, जो संलग्न सामग्री के चारों ओर एक फ्रेम बनाते हैं। नीतिवचन 23, 10 एक कारण कण के माध्यम से नीतिवचन 23, 11 से जुड़ा हुआ है, जो निषेध के लिए प्रेरणा का परिचय देता है, अर्थात् भगवान उन लोगों की देखभाल करेंगे जिन्हें आप नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। अमेनेमोप के मिस्र के निर्देश में कई कथन हैं जो यहां विचाराधीन नीतिवचन के दो छंदों के समान हैं।

अमेनेमोप के जिस अनुभाग में हमारे वैरिएंट सेट से संबंधित सामग्री है, वह अध्याय 6 में है। यह प्लेट 7 की पंक्ति 11 में शुरू होता है और प्लेट 9, पंक्ति 8 से होकर गुजरता है, और इसमें कुल

36 पंक्तियाँ होती हैं। अब मैं उन पंक्तियों को उद्धृत करूँगा जो नीतिवचन सामग्री के सबसे करीब हैं। यह अब मिस्र के पाठ का अनुवाद है।

फ्रील्ड की सीमाओं पर मार्करों को न हिलाएं, न ही मापने वाले कॉर्ड की स्थिति को बदलें। एक हाथ भूमि का लालच न करना, और न किसी विधवा की सीमा का अतिक्रमण करना। कुचली हुई नाली समय के साथ खराब हो गई है, और यहां पाठ थोड़ा बाधित है, हम पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं कि इसका अनुवाद कैसे किया जाए, जो इसे खेतों में छिपाएगा, वह पकड़ा जाएगा।

और फिर, खेतों की सीमाओं को नष्ट करने से सावधान रहें, ऐसा न हो कि कोई आतंक आपको उड़ा ले जाए। जब कोई व्यक्ति खेतों की सीमाओं को पहचानता है, शायद सम्मान करता है, तो वह प्रभु की शक्ति से ईश्वर को प्रसन्न करता है। दूसरे की खाल मत मिटाओ, उसे दुरुस्त रखने में ही तुम्हें फायदा है।

तो यहां पाठकों को अपने पड़ोसियों या प्रतिस्पर्धियों की संपत्ति और भूमि सीमाओं का सम्मान करने के लिए एक विस्तृत विवरण और प्रोत्साहन दिया गया है। संदर्भ के सबसे मजबूत बिंदु प्लेट 7 पर पंक्ति 12 और 15 में हैं, क्रिया के संबंध में समानताएं नहीं चलती हैं, साथ ही सीमा मार्करों का भी उल्लेख है। अमेनेमोप में परिवार के सदस्यों, अर्थात् अनाथों और एक विधवा, और बाइबिल ग्रंथों में विधवाओं और अनाथों का उल्लेख है।

फ्रीकेंट वन के बाइबिल और अतिरिक्त-बाइबिल ग्रंथों में विधवाओं और अनाथों का अक्सर एक साथ उल्लेख किया गया है। भूमि चिह्नों के प्राचीन होने का विवरण नीतिवचन के 22:28 और 23:10 दोनों में परिलक्षित होता है, समय के साथ अमेनेमोप के खांचों के खराब होने में परिलक्षित हो सकता है। अंत में, समाज में कमजोर लोगों से जमीन छीनने से परहेज करने की धार्मिक प्रेरणा भी दोनों ग्रंथों में मौजूद है।

23:11 में, पाठ कहता है, क्योंकि उनका उद्धारकर्ता, अर्थात् प्रभु, शक्तिशाली है, और अमेनेमोप कहता है, जब कोई खेतों की सीमाओं का सम्मान करता है, तो वह प्रभु की शक्ति से ईश्वर को प्रसन्न करता है। इसलिए, प्रासंगिक अनुभाग समान नहीं हैं, लेकिन समानताएं इतनी हड़ताली हैं कि संयोग को निश्चित रूप से खारिज किया जाना चाहिए। इसलिए न केवल उनकी सामग्री को दोहराया गया है, बल्कि जैसा कि हमने अमेनेमोप के अध्याय 6 में देखा है, वास्तव में खेतों पर अतिक्रमण न करने के लिए कम से कम तीन, संभवतः चार, बार-बार दिए गए बयान हैं।

मुझे उन चार को फिर से पढ़ने दीजिए। खेतों की सीमाओं पर चिन्हकों को न हटाएं, न ही किसी विधवा की सीमाओं का अतिक्रमण करें। जब कोई खेतों की सीमाओं को पहचानता है तो खेतों की सीमाओं को नष्ट करने से सावधान रहें।

इसलिए, पड़ोसियों के संपत्ति अधिकारों का उल्लंघन न करने के लिए प्रोत्साहन की चार पुनरावृत्तियाँ हैं। इसकी पुनरावृत्ति के समानान्तर उसी खंड में नीतिवचनों की सामग्री भी दोहराई जा रही है। अच्छा तो मैं क्या कह रहा हूँ? मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि नीतिवचन न केवल अमेनेमोप को दोहरा रहा है, बल्कि नीतिवचन अमेनेमोप को दोहरा रहा है, सामग्री को दोहरा रहा है।

तो, यहां दोहराव है, यहां दोहराव है, और ये दोहराव यहां दोहराव का दोहराव है। तुम्हें नया तरीका मिल गया है। निश्चय ही यह कोई संयोग नहीं हो सकता।

अब मैं इस साक्ष्य के आधार पर कुछ और विचारों के साथ अपनी बात समाप्त करना चाहता हूँ। स्पष्ट रूप से दो कार्य, अमेनेमोप और नीतिवचन, संबंधित हैं। लेकिन यह तथ्य भी उतना ही स्पष्ट है कि नीतिवचन केवल अमेनेमोप की नकल नहीं करता है।

नीतिवचन एक नए संस्करण को तैयार करने के लिए अमेनेमोप में अपनी मिस्र की स्रोत सामग्री का रचनात्मक रूप से उपयोग करता है, जैसा कि उसने नीतिवचन की पुस्तक के भीतर स्रोत सामग्री से किया है। इसलिए, अमेनेमोप और नीतिवचन के बीच समानताएं ज़्यादा नहीं खींची जानी चाहिए। जबकि शिल्टशोम शब्द का संशोधन, जो पहले केटिव रीडिंग और शालिशिम में था, नेक चीजें, शोलोशिम, 30 के क्यूरे रीडिंग में, अधिकांश लोगों द्वारा समर्थित है, हालांकि नॉर्मन व्हायब्रे ने अपनी टिप्पणी में एक अपवाद है, विद्वानों के लिए सहमत होना कठिन है वास्तविक 30 इकाइयों के परिसीमन की पहचान करने पर।

इस तथ्य का भी उल्लेख किया जाना चाहिए कि अमेनेमोप के निर्देश में स्वयं शब्दशः दोहराव के दो प्रकार शामिल हैं। मर्फी ने सोचा कि नीतिवचन 23-10 में नीतिवचन 22-28 की पुनरावृत्ति का कोई स्पष्टीकरण नहीं है। लेकिन अमेनेमोप के साथ समानता के संबंध में मेरी टिप्पणियाँ, वास्तव में, मुझे लगता है, एक स्पष्टीकरण का सुझाव देती हैं जो समझ में आता है।

अर्थात्, संपादक ने अपने मिस्र के वोरलॉग या स्रोत पाठ का अनुसरण किया और अन्य लोगों की संपत्ति के सम्मान के महत्वपूर्ण विषय पर अमेनेमोप से रचनात्मक रूप से अनुकूलित कई बयान भी शामिल किए। और नीतिवचन की पुस्तक के संपादक ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि अमेनेमोप के निर्देशों के लेखक ने ऐसा किया था। लेकिन निस्संदेह, उन दोनों ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उन्हें लगा कि लोगों को दूसरे लोगों की संपत्ति का सम्मान करने के महत्व को समझने में मदद करना उनके समाज की भलाई के लिए बिल्कुल आवश्यक और महत्वपूर्ण था।

यह अब हमें इस व्याख्यान के समापन पर लाता है।

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. नॉट हेम हैं। यह सत्र संख्या 14, नीतिवचन अध्याय 22-24 और अमेनेमोप है।